भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. **1848** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 02 अगस्त, 2024/11 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाना है

राष्ट्रीय जलमार्ग-4 में माल ढुलाई

†1848. श्री मड्डीला गुरूमूर्ति :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राष्ट्रीय जलमार्ग-4 में माल ढुलाई का कार्य शुरू हो गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या रेल और सड़क परिवहन के साधनों की तुलना में जलमार्गों के माध्यम से परिवहन की लागत मितव्ययिता की सीमा का पता लगाने के लिए कोई आकलन किया गया है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): जी हाँ। राष्ट्रीय जलमार्ग- 4 (रा.ज.- 4) में कृष्णा नदी में इब्राहिमपट्टनम से लिंगयापालेम (विपरीत तट) के बीच रोल-ऑन/ रोल-ऑफ (रो-रो) सुविधा प्रचालनरत है और निर्माण गतिविधियों के लिए स्टोन चिप्स का परिवहन किया गया। वर्ष 2018-19 से वर्ष 2023-24 तक रा. ज.- 4 पर रिकॉर्ड की गई कार्गो आवाजाही निम्नानुसार है:

वर्ष	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
मात्रा मिलियन टन	0.45	0.08	6.83	11.23	8.42	4.22

(ख) और (ग): एकीकृत राष्ट्रीय जलमार्ग परिवहन ग्रिड अध्ययन पर आरआईटीईएस द्वारा किए गए आकलन के अनुसार, रेल और सड़क परिवहन की तुलना में अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडबल्यूटी) मोड के प्रमुख लाभ निम्नानुसार है:

लागत की बचत और ईंधन दक्षता

1 लीटर ईंधन सड़क पर 24 टन-किमी, रेल पर 95 टन-किमी और आईडबल्यूटी पर 215 टन-किमी चलता है। रु. / टन-किमी की तुलनात्मक अंतर-मॉडल लागत नीचे दी गई है:

माध्यम	किराया(रु./ टन-किमी)
रेल	1.36
राजमार्ग	2.50
आईडबल्यूटी	1.06

*****